

अपनी बातें

अक्टूबर 2026 | अंक 2

नेतृत्व संवाद

प्रिय बालको परिवार,

आप सभी और आपके परिवार को नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं। नवरात्रि के ये नौ दिन हमारी आस्था, परंपराओं और उत्सव से जुड़े हैं। साथ ही, यह पर्व हमें शक्ति के उस स्वरूप पर विचार करने का अवसर देता है, जो सृजन करती है, संवारती है और बदलाव लाती है। मेरे लिए यह उन महिलाओं की शक्ति को पहचानने का भी अवसर है, जो हमारे घरों, कार्यस्थलों और समुदाय को अपने योगदान से मजबूत बनाती हैं। कई बार उनका योगदान बिना किसी विशेष पहचान के हमारे जीवन को बेहतर बनाता रहता है। बालको में भी हम इस शक्ति को लगातार महसूस कर रहे हैं। हमारे संचालन के विभिन्न क्षेत्रों में महिलाएं तेजी से नई और विविध भूमिकाएं निभा रही हैं। शॉपफ्लोर से लेकर महत्वपूर्ण प्रचालन जिम्मेदारियों तक, वे अपनी विशेषज्ञता और नए दृष्टिकोण के साथ हमारे कार्यस्थल के भविष्य को आकार दे रही हैं। उनकी यात्राएं नई संभावनाओं के द्वार खोल रही हैं और अनेक युवा बेटियों को अपने सपनों की

दिशा में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दे रही हैं। बालको में हम सामुदायिक विकास को एक व्यापक सोच के साथ देखते हैं, प्रगति केवल इस बात से नहीं मापी जाती कि हमने क्या बनाया, बल्कि इससे भी कि हमने लोगों के लिए बेहतर जीवन के कितने अवसर तैयार किए। जब किसी बेटी को शिक्षा का अवसर मिलता है, किसी महिला को आजीविका मिलती है या उसे नेतृत्व करने का आत्मविश्वास मिलता है, तो उसका प्रभाव केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता। इससे परिवार मजबूत होते हैं, आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा मिलती है और समुदाय आगे बढ़ते हैं। महिलाओं की भागीदारी हमारी प्रगति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। महिलाओं को सीखने, आगे बढ़ने और नेतृत्व करने के अवसर देकर हम मजबूत परिवारों, सक्षम समुदाय और अधिक समावेशी समाज के निर्माण में योगदान दे सकते हैं। यही सोच भारत की विकास यात्रा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। शायद यही शक्ति का गहरा अर्थ है, केवल अपने पैरों पर खड़े होने की ताकत नहीं, बल्कि दूसरों के लिए भी आगे बढ़ने के अवसर तैयार करने की क्षमता। इस नवरात्रि, आइए उन सभी महिलाओं का

सम्मान करें, जो हमारे जीवन और समुदाय को समृद्ध बनाती हैं। साथ ही, हम ऐसा वातावरण बनाने में अपना योगदान दें, जहां हर महिला और हर बेटी को सीखने, नेतृत्व करने और अपने सपनों को साकार करने का अवसर मिले।

सभी कर्मचारियों, बिजनेस पार्टनर्स और उनके परिवारों को नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं। 🙏

सादर,

राजेश सिंह
सीईओ एवं पूर्णकालिक निदेशक
बालको



प्रिया अग्रवाल और आकर्ष हेब्बर ने किया संयंत्र का भ्रमण

बालको संयंत्र में वेदांता लिमिटेड की गैर-कार्यकारी निदेशक एवं हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड की चेयरपर्सन प्रिया अग्रवाल हेब्बर और वेदांता एल्युमिनियम के वाइस चेयरमैन एवं वी-स्पाईक डीपटेक वेंचर्स के चेयरमैन आकर्ष हेब्बर का स्वागत किया गया। दौरे के दौरान उन्होंने भारत के पहले 525 किलो एम्पीयर स्मेल्टर के दूसरे जोन से पहली बार धातु निकासी की प्रक्रिया देखी। यह उपलब्धि बालको की 1 एमटीपीए क्षमता की दिशा में आगे बढ़ने की यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। इस अवसर पर उन्होंने संचालन में अग्रणी भूमिका निभा रही युवा महिला कर्मचारियों का सम्मान किया और टीमों से संवाद किया। दौरे में महिला सशक्तिकरण और सामुदायिक विकास कार्यों को सराहा। ब्लैक मेज में उन्होंने स्थानीय महिलाओं से मुलाकात की, जो रेस्तरां का संचालन करते हुए अपने कौशल और आजीविका को आगे बढ़ा रही हैं। नंद घर में उन्होंने बाल विकास और सामुदायिक कल्याण से जुड़े कार्यों को देखा। उन्होंने बालको अस्पताल का दौरा कर आधुनिक चिकित्सा

सुविधाओं की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने स्मृति उद्यान में अपने प्रियाजनों की स्मृति में अमलतास का पौधा लगाया। साथ ही युवा टैलेंट के साथ बातचीत

के दौरान उन्होंने कर्मचारियों से संवाद करके उनके अनुभवों, आकांक्षाओं और भविष्य के अवसरों पर चर्चा की।



वेदांता समूह के सीईओ अरुण मिश्रा ने बालको की विकास यात्रा की सराहना की

बालकोनगर में नेतृत्व के साथ संवाद और विभिन्न गतिविधियों से भरा एक विशेष दिन देखने को मिला, जब वेदांता लिमिटेड के ग्रुप सीईओ एवं एजीक्यूटिव डायरेक्टर अरुण मिश्रा ने वेदांता एल्युमिनियम के सीईओ राजेश कुमार के साथ बालको का दौरा किया। यह दौरा केवल प्रचालन समीक्षा तक सीमित नहीं था, बल्कि बालको की विकास यात्रा को आगे बढ़ाने वाले कर्मचारियों, समुदाय और बिजनेस पार्टनर्स के साथ जुड़ाव को भी दर्शाता है। दौरे के दौरान पॉटलाइन-3, कास्टहाउस -3 और कास्टहाउस -4 में टीमों के साथ संवाद किया गया। नेतृत्व ने संयंत्र में चल रही पहलों, प्रचालन सुधारों और भविष्य की योजनाओं की जानकारी ली। इस अवसर पर महिला नेतृत्वकर्ताओं का सम्मान भी किया गया, जिन्होंने अपनी क्षमता, मेहनत और नेतृत्व से विनिर्माण क्षेत्र में नई पहचान बनाई है। महिला कर्मचारियों द्वारा संचालित शी-एसओसी का दौरा भी किया गया, जो प्रचालन में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और सुरक्षा व जिम्मेदारी के प्रति उनकी भूमिका को दर्शाता है। दौरे का दायरा संयंत्र तक ही सीमित नहीं रहा। वरदान अपार्टमेंट्स के उद्घाटन से लेकर

स्मृति उद्यान में अमलतास का पौधा लगाने तक, विभिन्न गतिविधियों ने यह संदेश दिया कि विकास तभी सार्थक है, जब वह उद्योग के साथ समुदाय को भी मजबूत बनाए। बिजनेस पार्टनर्स के साथ संवाद और उभरते नेतृत्वकर्ताओं से बातचीत ने मिलकर एक मजबूत भविष्य बनाने की साझा सोच को और आगे बढ़ाया। इसी अवसर पर अरुण मिश्रा ने कर्मचारियों और बिजनेस पार्टनर्स के साथ वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन के तहत मैराथन को हरी झंडी भी दिखाई। यह आयोजन 'जीरो हंगर' के उद्देश्य को समर्थन देने के

लिए आयोजित किया गया। विनिर्माण उत्कृष्टता, सामुदायिक विकास, कर्मचारी सहभागिता और समावेशन से जुड़ी इन सभी गतिविधियों ने बालको की विकास यात्रा के विभिन्न पहलुओं को सामने रखा। यह दौरा इस विश्वास को और मजबूत करता है कि बालको की प्रगति उसके लोगों की मेहनत, नवाचार और नए सपनों से आगे बढ़ रही है, जो कंपनी के भविष्य के साथ-साथ भारत के विनिर्माण क्षेत्र के विकास में भी योगदान दे रहे हैं।



इस माह की तस्वीर



प्रिया अग्रवाल हेब्बर और आकर्ष हेब्बर ने नंद घर के बच्चों से की मुलाकात

एक नज़र में

- » कंपनी ने 1 एमटीपीए की दिशा में बढ़ाया एक और कदम
- » कंपनी को मानव संसाधन के क्षेत्र में मिले दो राष्ट्रीय सम्मान
- » बालको ने सिक्स सिग्मा प्रशिक्षण से समस्या समाधान क्षमता को किया मजबूत
- » जीएपी-2 ने दर्ज की शून्य ब्रेकडाउन की ऐतिहासिक उपलब्धि
- » सम्मान दिवस पर कर्मचारियों की उपलब्धियों को सराहा गया
- » ओडिशा और उत्तराखंड के पत्रकारों ने किया संयंत्र का भ्रमण
- » कंपनी ने एआई से क्रेन संचालन को बनाया अधिक सुरक्षित
- » कंपनी ने एआई से ग्रीन एनोड कूलिंग को बनाया अधिक प्रभावी
- » एआई-एमएल से पॉटलाइन संचालन को बनाया अधिक स्मार्ट
- » वरदान: नई शुरुआत के लिए खुला एक नया दरवाजा
- » श्रद्धा और एकजुटता के साथ मनाया गया विश्वकर्मा जयंती का उत्सव
- » चौथे बीएमसी छत्तीसगढ़ कैंसर कॉन्क्लेव में जुटे देश-दुनिया के कैंसर विशेषज्ञ

बालको के चेहरे



राम प्रसाद राठौर

सीखने की चाह से सफलता की राह तक

कुछ यात्राएं लगातार सीखते रहने की इच्छा से आकार लेती हैं। राम प्रसाद राठौर के लिए बालको लगभग चार दशकों से सीखने, अवसर और बदलाव की यात्रा रहा है।

उन्होंने 1980 के दशक के अंत में बालको में ठेका श्रमिक के रूप में अपने करियर की शुरुआत की। समय के साथ उन्होंने सुपरवाइजर, साइट इंचार्ज और उद्यमी की भूमिकाएं निभाईं और आज सुरेंद्र एंटरप्राइजेज में संचालन प्रमुख के रूप में जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। इस दौरान उन्होंने संचालन, कार्यबल प्रबंधन, परियोजना योजना और कार्यान्वयन की गहरी समझ विकसित की।

जब उन्होंने बालको में शुरुआत की थी, तब उद्यमी बनने का विचार उनके मन में नहीं था। उनका ध्यान काम सीखने और उसे बेहतर तरीके से करने पर था। धीरे-धीरे उनकी रुचि इस बात में बढ़ने लगी कि परियोजनाओं की योजना कैसे बनती है, संसाधनों का प्रबंधन कैसे होता है और अलग-अलग टीमों को साथ लाकर बेहतर परिणाम कैसे हासिल किए जाते हैं।

वे कहते हैं, “मैं हमेशा पूरे काम को समझने में रुचि रखता था। जितना काम को समझता गया, उतनी ही यह जानने की इच्छा बढ़ती गई कि किसी काम को सफल बनाने के पीछे क्या होता है।”

इसी जिज्ञासा ने उन्हें अपनी फर्म शुरू करने के लिए प्रेरित किया। यहां उन्होंने वर्षों के प्रचालन अनुभव को व्यावसायिक सोच के साथ जोड़ा और प्रतिबद्धता, निरंतरता तथा जवाबदेही को अपने काम का आधार बनाया। इस दौरान उन्होंने बालको के कई महत्वपूर्ण पड़ाव भी देखे, जिनमें निजीकरण, डीमर्जर और सुरक्षित एवं अधिक प्रभावी कार्यप्रणालियों का विकास शामिल है।

आज भी वे उसी जिम्मेदारी और समर्पण के साथ बालको के साथ जुड़े हुए हैं, जिसने उनकी यात्रा को पहचान दी है। वे कहते हैं, “विश्वास बनाने में वर्षों लगते हैं और उसे खोने में कुछ पल। मेरे लिए ईमानदार रहना और अपनी बात पर कायम रहना किसी भी पद या उपलब्धि से अधिक महत्वपूर्ण रहा है।”

उनकी कहानी बताती है कि विकास की राह सीखने की इच्छा, अनुभव और निरंतर आगे बढ़ने से बनती है। ठेका श्रमिक से उद्यमी और बिजनेस पार्टनर तक का उनका सफर अवसरों को पहचानने और उन्हें आकार देने की प्रेरणा देता है।

कंपनी ने 1 एमटीपीए की दिशा में बढ़ाया एक और कदम

बालको ने 1 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) एल्युमिनियम उत्पादन क्षमता की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया। बालको के पॉटलाइन-3 के दूसरे जोन से पहला एल्युमिनियम निकाला गया। यह उपलब्धि भारत के पहले 525 किलो एम्पीयर एल्युमिनियम स्मेल्टर की विस्तार यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। इस अवसर पर प्रिया अग्रवाल और आकर्ष हेब्बर की उपस्थिति ने इस उपलब्धि को और विशेष बनाया। नए जोन के शुरू होने के साथ पॉटलाइन-3 में प्रचालन को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने का मार्ग तैयार हुआ है। आने वाले वर्ष में कंपनी की क्षमता उपयोगिता लगभग 50 प्रतिशत तक पहुंचने की उम्मीद है। परियोजना की प्रगति के साथ अन्य जोन भी चरणबद्ध रूप से शुरू किए जाएंगे। यह विस्तार बालको की उत्पादन क्षमता को 1 एमटीपीए तक बढ़ाने की दीर्घकालिक दिशा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। पॉटलाइन-3 के विभिन्न जोन शुरू होने के साथ प्रचालन दक्षता बढ़ाने और बड़े स्तर पर उत्पादन से मिलने वाली लागत एवं संसाधन दक्षता का लाभ लेने में मदद मिलेगी। इससे बुनियादी ढांचे, परिवहन

और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों की बढ़ती एल्युमिनियम मांग को पूरा करने की क्षमता भी मजबूत होगी। यह परियोजना केवल उत्पादन क्षमता बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि भारतीय एल्युमिनियम उद्योग में बड़े और आधुनिक तकनीक आधारित स्मेल्टर की दिशा में

बढ़ते कदम को भी दर्शाती है। पूरी तरह शुरू होने के बाद पॉटलाइन 3 बालको की उत्पादन क्षमता को मजबूत करते हुए देश के विनिर्माण विकास में योगदान को और बढ़ाएगा।

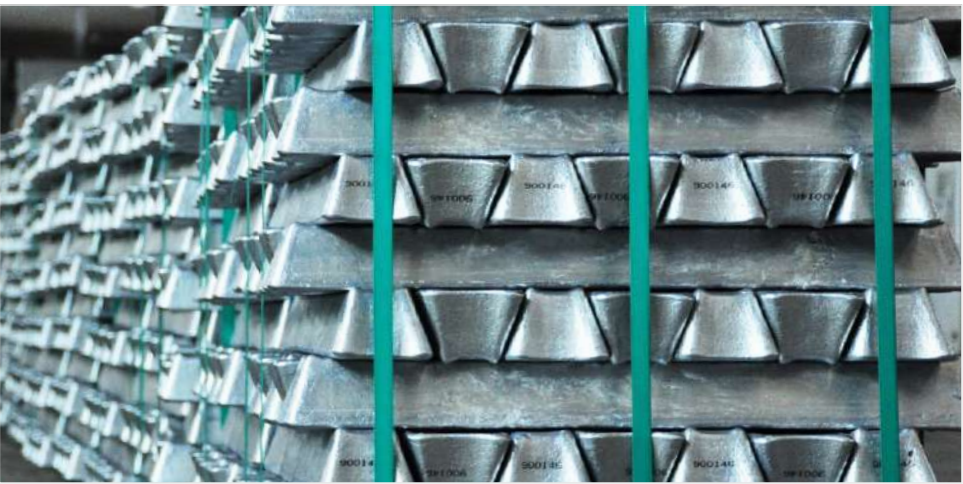


सर्कुलर अर्थव्यवस्था: एल्युमिनियम को उसकी गुणवत्ता खोए बिना बार-बार पुनर्चक्रित किया जा

सकता है, जिससे संसाधनों की बचत और सतत विकास को बढ़ावा मिलता है।

एल्युमिनियम क्यों महत्वपूर्ण है?

पॉवर ट्रांसमिशन: कम वजन के साथ अच्छी विद्युत चालकता के कारण ओवरहेड बिजली लाइनों में एल्युमिनियम का व्यापक उपयोग होता है। रिन्यूएबल एनर्जी: सौर पैनल के फ्रेम, माउंटिंग स्ट्रक्चर और पवन ऊर्जा उपकरणों में एल्युमिनियम महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। औद्योगिक विकास: ऊर्जा-कुशल उपकरणों, हीट एक्सचेंजर और औद्योगिक बुनियादी ढांचे में उपयोग उद्योगों को अधिक दक्ष बनाने में मदद करता है। सस्टेनेबल परिवहन: हल्के और अधिक ऊर्जा-कुशल वाहनों, इलेक्ट्रिक वाहनों के पुर्जों और रेलवे बुनियादी ढांचे में एल्युमिनियम का योगदान महत्वपूर्ण है।



कंपनी को मानव संसाधन के क्षेत्र में मिले दो राष्ट्रीय सम्मान



कर्मचारी सहभागिता के लिए गोल्ड अवॉर्ड

बालको को बिजनेस वर्ल्ड के 11वें संस्करण के पुरस्कारों में कर्मचारी सहभागिता रणनीति में उत्कृष्टता के लिए गोल्ड अवॉर्ड मिला। यह सम्मान कर्मचारी सहभागिता, नेतृत्व संवाद, कार्यबल कल्याण, सराहना, सीखने तथा विविधता एवं समावेशन के क्षेत्र में किए गए प्रयासों को मान्यता देता है। यह उपलब्धि कर्मचारी अनुभव को बेहतर बनाने और सहभागिता, जुड़ाव तथा समावेशी कार्यसंस्कृति को मजबूत करने की बालको की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

एचआर में डिजिटल तकनीक के लिए सम्मान

इंडिया एचआर समिट अवॉर्ड में बालको को डिजिटलाइजेशन एंड टेक्नोलॉजी इन एचआर श्रेणी में विजेता घोषित किया गया। यह सम्मान मानव संसाधन में डिजिटल प्लेटफॉर्म, डेटा आधारित निर्णय, स्वचालन और एआई आधारित समाधानों के प्रभावी उपयोग को मान्यता देता है। तकनीक के माध्यम से प्रक्रियाओं को सरल बनाने, निर्णय प्रक्रिया को बेहतर करने और कर्मचारियों के अनुभव को सहज बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को इस सम्मान से पहचान मिली।

सहभागिता में विचारों से बदलाव तक



बालको में आयोजित 'सहभागिता' ने मेटल और पावर एसबीयू के कर्मचारियों और बिजनेस पार्टनर्स को एक मंच पर लाकर उनके विचारों और सुधार प्रयासों का उत्सव मनाया। कार्यक्रम में 700 से अधिक सदस्यों ने भाग लिया। इस दौरान 580 से अधिक सफलता की कहानियों को प्रदर्शित कर सम्मानित किया गया, जबकि करीब 180 विचारों को 'बेस्ट आइडिया' के रूप में पहचान मिली।

कार्यक्रम में सुरक्षा, विश्वसनीयता, दक्षता और प्रक्रियागत सुधार से जुड़ी कई पहल सामने आईं। इनमें उपकरणों की सुरक्षा, प्रक्रिया की विश्वसनीयता, पिघली धातु के प्रवाह नियंत्रण और जल प्रबंधन से जुड़े समाधान शामिल रहे। सी वन बी डायवर्ट गेट को ऑटोमोड में बहाल करना और एस/आर-ए स्लिव गियरबॉक्स को पहली बार बदलना भी प्रमुख उपलब्धियों में शामिल रहे।

इन पहलों ने दिखाया कि रोजमर्रा के प्रचालन में आने वाली चुनौतियों को नए विचारों और जिम्मेदारी के साथ सुधार के अवसरों में बदला जा सकता है। सहभागिता ने नवाचार, सहयोग और निरंतर सुधार की संस्कृति को मजबूत करते हुए यह संदेश दिया कि बदलाव की शुरुआत एक अच्छे विचार से होती है।

बालको ने सिक्स सिग्मा प्रशिक्षण से समस्या समाधान क्षमता को किया मजबूत



निरंतर सुधार और आंकड़ों पर आधारित निर्णय लेने की दिशा में बालको ने कर्मचारियों के लिए सिक्स सिग्मा ग्रीन बेल्ट प्रमाणन प्रशिक्षण आयोजित किया। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को लीन सिक्स सिग्मा, डीएमएआईसी (परिभाषित करना, मापना, विश्लेषण करना, सुधार करना और नियंत्रण) तथा मिनिटैब जैसे

व्यवस्थित समस्या समाधान उपकरणों की जानकारी दी गई। व्यावहारिक अभ्यास, केस स्टडी और वरिष्ठनेतृत्व के साथ संवाद के माध्यम से प्रतिभागियों ने प्रक्रियाओं में सुधार के तरीकों को समझा और कंपनी की प्राथमिकताओं से जुड़े प्रोजेक्ट की पहचान की। अब अगले चरण में इन प्रोजेक्ट को

लागू किया जाएगा। सफलतापूर्वक पूरा होने पर प्रतिभागियों को ग्रीन बेल्ट प्रमाणन मिलेगा। यह पहल कर्मचारियों की विश्लेषणात्मक क्षमता बढ़ाने के साथ प्रचालन उत्कृष्टता और निरंतर सुधार की संस्कृति को मजबूत करने में योगदान देगी।

जीएपी-2 ने दर्ज की शून्य ब्रेकडाउन की ऐतिहासिक उपलब्धि



बालको के ग्रीन एनोड प्लांट-2 (जीएपी-2) ने अगस्त में बिना किसी ब्रेकडाउन के संचालन कर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। वर्ष 2015 में संयंत्र शुरू होने के बाद यह पहली बार है, जब जीएपी-2 ने पूरे महीने शून्य ब्रेकडाउन दर्ज किया। संयंत्र ने 87 प्रतिशत की अब तक की सर्वाधिक मासिक उपलब्धता भी दर्ज

की, जो उपकरणों की विश्वसनीयता और प्रचालन प्रदर्शन में उल्लेखनीय सुधार को दर्शाती है। यह उपलब्धि प्रभावी निवारक रखरखाव, अनुशासित संचालन और विभिन्न टीमों के बीच मजबूत सहयोग का परिणाम है। उद्योग में इस तरह की उपलब्धि को महत्वपूर्ण माना जाता है।

गुणवत्ता छोटी-छोटी बातों से बनती है



बालको में 'क्वालिटी संकल्प' के माध्यम से कर्मचारियों को महीने की थीम 'अपव्यय कम करें, गुणवत्ता बढ़ाएं' से जोड़ा गया। पहल में रोजमर्रा के काम में जिम्मेदारी, टीमवर्क और लीन प्रक्रियाओं को अपनाने पर जोर दिया गया। 'क्वालिटी प्लेज' के जरिए यह संदेश दिया गया कि गुणवत्ता में सुधार किसी एक टीम की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर कर्मचारी की भूमिका है। काम में छोटी-छोटी सावधानियां, सही प्रक्रियाओं का पालन और निरंतर सुधार की सोच मिलकर बेहतर गुणवत्ता सुनिश्चित करती है। क्वालिटी संकल्प ने गुणवत्ता को केवल परिणाम नहीं, बल्कि रोजमर्रा के काम का हिस्सा बनाने पर जोर दिया।

ओडिशा और उत्तराखंड के पत्रकारों ने किया संयंत्र का भ्रमण

ओडिशा और उत्तराखंड से आए पत्रकारों के प्रतिनिधिमंडल ने बालको का एक दिवसीय दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कंपनी के प्रचालन और समुदाय विकास से जुड़े कार्यों को करीब से जाना। भ्रमण के दौरान पीआईबी के विभिन्न अधिकारी, कोरबा के संपर्क अधिकारी कमल ज्योति, वरिष्ठ पत्रकार और बालको के जनसंपर्क अधिकारी, विजय बाजपेई, रितेश सिराज, और शाबरनो पाल उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने वेदांता स्किल स्कूल का भ्रमण किया और प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवाओं से संवाद किया। पत्रकारों ने यहां संचालित व्यावहारिक कौशल विकास कार्यक्रमों के बारे में जानकारी ली, जिनका उद्देश्य स्थानीय युवाओं को रोजगार के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करना है। इस अवसर पर पत्रकारों को बालको की विभिन्न सामुदायिक पहल और आसपास के क्षेत्रों के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में उनके योगदान की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम ने मीडिया प्रतिनिधियों को बालको के

प्रचालन, कौशल विकास और समुदाय के साथ उसके जुड़ाव को करीब से समझने का अवसर दिया। दौरे के माध्यम से औद्योगिक उत्कृष्टता के साथ

समुदाय के विकास और युवाओं के सशक्तिकरण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को साझा किया गया।



बालको के चेहरे



प्रियंका साहू

परेड ग्राउंड से 525 किलो एम्पियर स्मेल्टर तक

कई बार हमारे सपने और रास्ते हमें ऐसी जगहों तक ले जाते हैं, जिसकी हमने कल्पना भी नहीं की होती। प्रियंका साहू की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। वे याद करते हुए कहती हैं, "मुझे आज भी 26 जनवरी 2023 का वह दिन याद है, जब नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर मैं छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व कर रही थी। तब मैंने नहीं सोचा था कि एक दिन मैं बालको में काम करूंगी और भारत के प्रतिष्ठित स्मेल्टर का हिस्सा बनूंगी। "परेड ग्राउंड से भारत के पहले 525 किलो एम्पीयर स्मेल्टर तक का उनका सफर दृढ़ संकल्प, मेहनत और लगातार सीखने की इच्छा से बना है। आज प्रियंका बालको के प्रतिष्ठित स्मेल्टर में शिफ्ट इंचार्ज के रूप में कार्यरत हैं। बचपन से ही उनकी रुचि किताबों से आगे सीखने में रही। वे चीजों को केवल पढ़ना नहीं, बल्कि उन्हें देखना, समझना और वास्तविक दुनिया में उनके उपयोग को जानना चाहती थीं। वर्ष 2017 में उन्होंने जालंधर में राष्ट्रीय स्तर की 400 मीटर रिले प्रतियोगिता में अपने स्कूल का प्रतिनिधित्व किया। बाद में शंकराचार्य विश्वविद्यालय से सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई के दौरान वे एनएसएस से जुड़ीं और 2023 में कर्तव्य पथ पर छत्तीसगढ़ की झांकी के साथ मार्च करने का अवसर मिला। इस उपलब्धि के लिए उन्हें कई चरणों की चयन प्रक्रिया और कठिन अभ्यास से गुजरना पड़ा। प्रियंका कहती हैं, "मेरी असली उपलब्धि देश के सामने मार्च करना नहीं थी, बल्कि उससे पहले की पूरी प्रक्रिया थी। चयन, लगातार अभ्यास और उस समय भी आगे बढ़ते रहना, जब हार मान लेना आसान विकल्प लगता है। "स्नातक के बाद कैपस प्लेसमेंट का अवसर न मिलने पर उन्होंने इसे रुकावट नहीं, बल्कि सीखने का अवसर माना। उन्होंने डेटा एनालिटिक्स में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम पूरा किया और आईआईटी मद्रास के ऑनलाइन, स्व-अध्ययन आधारित डेटा साइंस पाठ्यक्रम में दाखिला लिया। उनका मानना है, "सीखना एक निरंतर प्रक्रिया है। शिक्षा हमारे लिए नए रास्ते खोल सकती है। "प्रधान एसोसिएट प्राइवेट लिमिटेड (पीएपीएल) के माध्यम से बालको में काम करते हुए प्रियंका आज इंजीनियरिंग, तकनीक और डेटा को एक साथ समझने का प्रयास कर रही हैं। वे मानती हैं कि डेटा विश्लेषण औद्योगिक समस्याओं को समझने और बेहतर निर्णय लेने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। परेड ने उन्हें अनुशासन, एथलेटिक्स ने धैर्य, इंजीनियरिंग ने समझ और डेटा साइंस ने समस्याओं को नए नजरिए से देखने की दृष्टि दी। वे इन अनुभवों को शॉपफ्लोर पर साथ लेकर आगे बढ़ रही हैं।

**एआई आधारित सुरक्षा से
बालको ने क्रेन संचालन
को बनाया अधिक सुरक्षित**



बालको ने क्रेन से जुड़े सुरक्षा जोखिमों को कम करने के लिए एआई आधारित सुरक्षा प्रणाली शुरू की है। यह प्रणाली रियल-टाइम में मानव उपस्थिति की पहचान करती है और जरूरत पड़ने पर क्रेन की गति को स्वचालित रूप से रोक देती है। कंप्यूटर विज्ञान तकनीक के माध्यम से यह क्रेन के निर्धारित संचालन क्षेत्र की लगातार निगरानी करती है और किसी व्यक्ति की मौजूदगी का पता लगाती है।

प्रणाली संचालन क्षेत्र को सुरक्षित, चैतावनी और जोखिम वाले क्षेत्रों में विभाजित करती है। जब कोई व्यक्ति निर्धारित जोखिम वाले क्षेत्र में प्रवेश करता है, तो एआई तुरंत उसकी पहचान कर क्रेन इंटरलॉक को सक्रिय करता है और क्रेन की गति रुक जाती है। इससे केवल मैनुअल निगरानी और ऑपरेटर की प्रतिक्रिया पर निर्भरता कम होती है तथा सुरक्षा के लिए स्वचालित प्रतिक्रिया सुनिश्चित होती है।

यह पहल क्रेन से जुड़े खतरों के प्रति कर्मचारियों के संपर्क को कम करने, तेज प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने और निरंतर निगरानी को मजबूत करने में मदद करती है। 98.6 प्रतिशत एआई डिटेक्शन सटीकता के साथ यह प्रणाली दर्शाती है कि डिजिटल तकनीक को संचालन में शामिल कर सुरक्षा नियंत्रण को और मजबूत किया जा सकता है।



**MyVedanta is now
Vedanta Universe!!!**

**Reimagined with evolved functionalities, to
strengthen collaboration and enable
stronger connections.**



Scan here to join!



कंपनी ने एआई से ग्रीन एनोड कूलिंग को बनाया अधिक प्रभावी

बालको ने अपने ग्रीन एनोड प्लांट (जीएपी) में एआई/एमएल आधारित समाधान शुरू किया है, जो पेस्ट के तापमान का पूर्वानुमान लगाकर रियल-टाइम में कूलर के पानी के प्रवाह को अनुकूलित करने में मदद करता है। इस समाधान से दसरो के कारण होने वाले ग्रीन एनोड रिजेक्शन में 30 प्रतिशत तक कमी आने की संभावना है। यह प्रणाली एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया नियंत्रण मानक में पूर्वानुमान आधारित विश्लेषण को शामिल करती है, जिससे कूलिंग अधिक स्थिर और संचालन अधिक विश्वसनीय बनता है। पहले पेस्ट के आउटलेट तापमान को सेंसर रीडिंग और हर शिफ्ट में मैनुअल तरीके से कूलर के पानी के प्रवाह में बदलाव करके नियंत्रित किया जाता था। नई प्रणाली लगातार पेस्ट के तापमान का अनुमान लगाती है और पानी के प्रवाह की उपयुक्त दर की सिफारिश करती है। इससे ऑपरेटर प्रक्रिया को निर्धारित सीमा में बनाए रख सकते हैं। साथ ही, मैनुअल हस्तक्षेप और अलग-अलग ऑपरेटरों के बीच होने वाले अंतर को कम करने में मदद मिलती है। यह पहल मैनुअल और सेंसर आधारित नियंत्रण से पूर्वानुमान आधारित प्रक्रिया अनुकूलन की दिशा में बदलाव को दर्शाती है।

रियल-टाइम प्रक्रिया जानकारी और स्वचालित सिफारिशों के संयोजन से यह समाधान अधिक स्थिर संचालन, बेहतर गुणवत्ता और ग्रीन एनोड उत्पादन में

निरंतरता को मजबूत करता है। साथ ही, यह बालको में एआई आधारित विनिर्माण के विस्तार के लिए एक मजबूत कदम है।



एआई-एमएल से पॉटलाइन संचालन को बनाया अधिक स्मार्ट

कंपनी ने पॉटलाइन संचालन के लिए एआई-एमएल आधारित एल्युमिनियम फ्लोराइड (एलएफ3) प्रेडिक्शन और ऑप्टिमाइजेशन मॉडल सफलतापूर्वक लागू किया है। यह पहल बालको की डिजिटल परिवर्तन यात्रा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। नया समाधान रियल-टाइम स्काडा डेटा, ऐतिहासिक प्रचालन मापदंडों और मशीन लर्निंग तकनीक का उपयोग कर विभिन्न पॉट्स में एलएफ3 की खपत का अनुमान लगाने और उसे बेहतर बनाने में मदद करता है। मॉडल की खासियत इसका रियल-टाइम स्काडा सिस्टम के साथ सहज एकीकरण है। प्लेटफॉर्म के माध्यम से केंद्रीय डैशबोर्ड, पॉट-वार प्रदर्शन की निगरानी, एलएफ3 खपत का अनुमान और उपयोग को बेहतर बनाने के लिए सुझाव प्राप्त किए जा सकते हैं। यह समाधान भविष्य में डिजिटल ट्विन जैसी तकनीकों के उपयोग की नींव भी तैयार करता है और डेटा आधारित संचालन की एलएफ3 में बालको को आगे बढ़ाता है। इस पहल से एलएफ3 की खपत में होने वाला उतार-चढ़ाव को कम करने और इसके उपयोग को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। मॉडल से कुल एलएफ3 खपत में लगभग 1 प्रतिशत कमी आने का

अनुमान है, जिससे सालाना करीब 0.18 मिलियन अमेरिकी डॉलर की बचत हो सकती है। इसके साथ ही मॉडल बाथ केमिस्ट्री नियंत्रण, प्रक्रिया स्थिरता और

पूर्वानुमान आधारित निर्णय लेने को मजबूत करता है। यह तकनीक अधिक कुशल और टिकाऊ प्रचालन की दिशा में बालको की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।



'गुरुकुल' बालको में सीखने का नया डिजिटल एकीकृत अध्याय



बालको ने गुरुकुल नाम से एक केंद्रीकृत लर्निंग एवं डेवलपमेंट (एलएंडडी) प्लेटफॉर्म शुरू किया है, जो कर्मचारियों और बिजनेस पार्टनर्स के सीखने से जुड़ी गतिविधियों को एक डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाता है। यह पहल सीखने की प्रक्रिया को बेहतर तरीके से व्यवस्थित करने और कर्मचारियों के कौशल विकास को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। गुरुकुल के माध्यम से प्रशिक्षण की योजना,

नामांकन , उपस्थिति, प्रशिक्षकों का रिकॉर्ड, अनुपालन की निगरानी और सीखने से जुड़े आंकड़ों को एक ही प्रणाली में जोड़ा गया है। पहले ये गतिविधियाँ अलग-अलग प्रणालियों में प्रबंधित होती थीं। रियल-टाइम डैशबोर्ड और विश्लेषण की सुविधा से नेतृत्व टीम प्रशिक्षण में भागीदारी, अनुपालन और सीखने से जुड़े रुझानों पर बेहतर नजर रख सकती है। यह प्लेटफॉर्म केवल प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल

बनाने तक सीमित नहीं है। यह संगठन में कौशल और क्षमता विकास के लिए एक व्यवस्थित ढांचा तैयार करता है। आंकड़ों की सटीकता, जवाबदेही और सीखने के परिणामों की स्पष्ट जानकारी को मजबूत करते हुए गुरुकुल निरंतर कौशल विकास के लिए बेहतर आधार तैयार करता है। साथ ही, मैनुअल प्रयास कम होने से कर्मचारियों के सीखने का अनुभव भी बेहतर होता है।

सुरक्षा संकल्प के साथ जोखिमों के प्रति सजग रहने का संकल्प



सुरक्षा संकल्प के माध्यम से बालको ने जोखिमों की समय पर पहचान, असुरक्षित कार्यों के बारे में आवाज उठाने और सोच-समझकर सही कदम उठाने के महत्व को दोहराया। यह पहल रोजमर्रा के काम में जागरूकता और जिम्मेदारी को केंद्र में रखते हुए शून्य क्षति के लक्ष्य के प्रति बालको की प्रतिबद्धता को मजबूत करती है।

सुरक्षा नेतृत्व ने दिलाया याद, सुरक्षा की शुरुआत हमसे होती है



कार्यक्रम ने सभी को याद दिलाया कि सुरक्षा की शुरुआत हमसे होती है। नेतृत्व और शॉपफ्लोर के बीच महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में सुपरवाइजरों की भूमिका सुरक्षा प्रक्रियाओं को समझने और अपनाने में अहम होती है। कार्यक्रम का उद्देश्य उनकी जोखिम पहचानने, टीमों का मार्गदर्शन करने और सुरक्षित विकल्पों को प्रोत्साहित करने की क्षमता को मजबूत करना है। यह बालको की शून्य क्षति की यात्रा में जिम्मेदारी और जवाबदेही की भावना को और मजबूत करता है।

सुरक्षित व्यवहार से मजबूत सुरक्षा संस्कृति



सुरक्षा केवल नियमों का पालन करने से नहीं, बल्कि रोजमर्रा के व्यवहार से भी मजबूत होती है। बालको के सुरक्षा नेतृत्व कार्यक्रम के तहत सुपरवाइजरों के साथ जोखिम पहचान, जोखिम प्रबंधन, सही संवाद और सुरक्षित कार्यप्रणाली पर चर्चा की गई। बालको में 300 से अधिक कर्मचारियों और बिजनेस पार्टनर सहयोगियों ने सड़क सुरक्षा संवाद में भाग लिया। चर्चा में इस बात पर जोर दिया गया कि रोजमर्रा के छोटे-छोटे फैसले संयंत्र के अंदर आवाजाही को कैसे और सुरक्षित बना सकते हैं। वरिष्ठ नेतृत्व ने वाहन चलाते समय और संयंत्र परिसर में आवाजाही के दौरान सुरक्षा नियमों का पालन करने और सतर्क रहने के महत्व पर जोर दिया। प्रतिभागियों को अपनी ड्राइविंग आदतों पर विचार करने और यह समझने के लिए प्रेरित किया गया कि उनका व्यक्तिगत व्यवहार कार्यस्थल की सुरक्षा को प्रभावित करता है। यह संवाद बालको की सुरक्षा संस्कृति को मजबूत करने की दिशा में एक और कदम है, जिसमें जागरूकता, जिम्मेदारी और शून्य क्षति के साझा लक्ष्य पर ध्यान दिया गया।

जोखिम के अनुरूप अग्नि सुरक्षा का मजबूत कवच



रसोई में लगी आग कुछ ही पलों में गंभीर रूप ले सकती है, खासकर जब खाना पकाने के तेल या वसा में आग लगे। बालको ने अपने कैटीन और भोजन तैयार करने वाले क्षेत्रों में क्लास एफ किचन फायर एक्सटिंग्विशर लगाए हैं। इन्हें विशेष रूप से तेल और वसा से लगी आग पर प्रभावी नियंत्रण के लिए डिजाइन किया गया है। ये जलते तेल को तेजी से ठंडा करते हैं और सतह पर एक सुरक्षात्मक परत बनाते हैं, जिससे दोबारा आग लगने की संभावना कम होती है और आग को फैलने से रोकने में मदद मिलती है। यह पहल ऐसे क्षेत्रों में सुरक्षा की एक अतिरिक्त परत जोड़ती है, जहां आग का जोखिम अलग होता है और त्वरित प्रतिक्रिया जरूरी होती है। उन प्रचालन क्षेत्रों

में, जहां एल्युमिनियम, मैग्नीशियम और टाइटेनियम जैसी ज्वलनशील धातुओं का उपयोग होता है, बालको ने टीईसी (टर्नरी यूटेक्टिक क्लोराइड) प्रकार के फायर एक्सटिंग्विशर लगाए हैं। धातु से लगी आग बहुत अधिक तापमान पर जलती है और सामान्य अग्निशमन माध्यमों के साथ खतरनाक प्रतिक्रिया कर सकती है। क्लास डी आग के लिए विशेष रूप से तैयार टीईसी एक्सटिंग्विशर जलती धातु पर सुरक्षात्मक परत बनाकर ऑक्सीजन की आपूर्ति रोकते और गर्मी को सोखते हैं। इससे आग को नियंत्रित करने में मदद मिलती है और कर्मचारियों को जोखिम के अनुरूप सही अग्निशमन उपकरण उपलब्ध होते हैं।

बालको ने ओजोन दिवस पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया



बालको ने ओजोन दिवस के अवसर पर कर्मचारियों के बीच जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में ओजोन परत के महत्व और सूर्य की पराबैंगनी (यूवी) किरणों से पृथ्वी की सुरक्षा में इसकी भूमिका के बारे में जानकारी दी गई। सत्र में मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के तहत ओजोन परत को नुकसान पहुंचाने वाले पदार्थों को चरणबद्ध तरीके से कम करने और ओजोन परत की रिकवरी में वैश्विक प्रयासों पर भी

चर्चा की गई। कर्मचारियों को पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ कार्यप्रणालियों के प्रति बालको की प्रतिबद्धता से अवगत कराया गया। कार्यक्रम के समापन पर कर्मचारियों ने ओजोन-अनुकूल व्यवहार अपनाने, हरित भविष्य में योगदान देने और जलवायु परिवर्तन, बढ़ते तापमान तथा लगातार बढ़ रही गर्मी की चुनौतियों के प्रति सजग रहने की शपथ ली।

सस्टेनेबिलिटी माह 2026: आगे भी जारी रहेगा!

अभी बहुत कुछ बाकी है...

सुरक्षा, सामुदायिक विकास और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी गतिविधियों से भरे एक और पखवाड़े के लिए तैयार हो जाइए।

सप्ताह 3 | 5-10 अक्टूबर

सुरक्षा

- महत्वपूर्ण सुरक्षा नियमों पर नुकड़ नाटक
- सेफ्टी स्नेक एंड लैंडर गतिविधि
- वीएसएस सेफ्टी क्रॉसवर्ड चैलेंज
- सांपों और जैविक जोखिमों पर जागरूकता सत्र

सप्ताह 4 | 12-16 अक्टूबर

सामुदायिक विकास एवं पर्यावरण संरक्षण

- स्थानीय और बाहरी प्रजातियों पर नेचर वॉक
- सस्टेनेबिलिटी कार्निवल
- क्लाइमेट क्लू चैलेंज
- पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह

आइए, साथ मिलकर सीखें, जुड़ें और एक सुरक्षित एवं टिकाऊ भविष्य की दिशा में कदम बढ़ाएं!



स्वाइन फ्लू: जानें, बचें और सुरक्षित रहें

स्वाइन फ्लू क्या है?

स्वाइन फ्लू एक वायरल संक्रमण है, जो नाक, गले और फेफड़ों को प्रभावित करता है। यह खांसने, छींकने, संक्रमित व्यक्ति के निकट संपर्क और दूषित सतहों के संपर्क से फैल सकता है।

इन लक्षणों पर ध्यान दें

-  बुखार और ठंड लगना
-  खांसी या गले में खराश
-  नाक बहना या बंद होना
-  सिरदर्द और शरीर में दर्द
-  थकान और कमजोरी
-  मतली, उल्टी या दस्त

बचाव के आसान तरीके

-  हर साल फ्लू का टीका लगवाएं
-  साबुन और पानी से नियमित रूप से हाथ धोएं
-  खांसते या छींकते समय मुंह और नाक ढक्के
-  बिना हाथ धोए चेहरे को छूने से बचें
-  फ्लू जैसे लक्षण वाले लोगों से दूरी बनाए रखें
-  पौष्टिक भोजन लें, पर्याप्त पानी पिएं और पूरी नींद लें

इन लक्षणों में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें

-  सांस लेने में कठिनाई
-  सीने में दर्द
-  लगातार तेज बुखार
-  अत्यधिक कमजोरी या चक्कर आना
-  होंठ या त्वचा का नीला पड़ना
-  शरीर में पानी की कमी के संकेत

याद रखें: स्वाइन फ्लू से बचाव और उपचार संभव है। अच्छी स्वच्छता, समय पर जांच और उचित चिकित्सा सहायता आपको और आपके परिवार को सुरक्षित रखने में मदद करती है।

जीवनभर सीख देने वाले शिक्षकों का सम्मान



बालको ने बालकोनगर और आसपास के 13 स्कूलों में शिक्षक दिवस मनाया। यह आयोजन उन शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करने का अवसर बना, जिनकी सीख विद्यार्थियों के स्कूल से आगे बढ़ने के बाद भी उनके जीवन और भविष्य को आकार देती रहती है।

इंजीनियर दिवस

आइए सुनें हमारे इंजीनियरों की बात

“ जब आप रोज किसी प्रक्रिया के साथ काम करते हैं, तो उसमें होने वाले छोटे बदलाव भी नजर आने लगते हैं। हम आंकड़ों को देखते हैं, उन्हें शॉपफ्लोर पर दिखाई देने वाली स्थिति से मिलाते हैं और समझने की कोशिश करते हैं कि बदलाव क्यों आया। कई बार किसी समस्या का समाधान प्रक्रिया के सही बिंदु पर किया गया एक छोटा सुधार होता है। समय के साथ ऐसे छोटे-छोटे सुधार मिलकर प्रक्रिया के समग्र प्रदर्शन को मजबूत बनाते हैं। ”

अज़लान शरीफ

कास्टहाउस



“ मटेरियल साइंस इंजीनियर के रूप में हमारा काम केवल उत्पादों की जांच तक सीमित नहीं है। हम गुणवत्ता में निरंतरता की निगरानी, मानकों का सत्यापन और हर बैच के ग्राहक अपेक्षाओं के अनुरूप होने को सुनिश्चित करते हैं। इंजीनियरिंग ज्ञान और गुणवत्ता पर ध्यान देकर हम हर उत्पाद में उत्कृष्टता सुनिश्चित करने में योगदान देते हैं। ”

संस्कृति वर्धन

क्वालिटी एशोरेंस



“ ग्रीन एनोड प्लांट में काम करने से हमें यह समझने का अवसर मिलता है कि एल्युमिनियम उत्पादन में एनोड कितने महत्वपूर्ण हैं। स्मेल्टिंग प्रक्रिया के प्रमुख इनपुट के रूप में एनोड की गुणवत्ता और निरंतरता का पिघले एल्युमिनियम के अंतिम उत्पादन पर सीधा प्रभाव पड़ता है। हमारे दिन का एक बड़ा हिस्सा शॉपफ्लोर की चुनौतियों को समझने, प्रक्रिया मानकों की निगरानी करने और यह सुनिश्चित करने में जाता है कि उत्पादन का हर चरण निर्धारित मानकों के अनुरूप हो। ”

नित्या चौरसिया

ग्रीन एनोड प्लांट



“ कास्टहाउस में हमारा काम केवल पिघले एल्युमिनियम को तैयार उत्पादों में बदलना नहीं है। हम संसाधनों के बेहतर उपयोग और प्रक्रियाओं को अधिक टिकाऊ बनाने पर भी काम करते हैं। ऊर्जा, सामग्री और प्रक्रिया दक्षता में हर सुधार अधिक मूल्य सृजित करने के साथ पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने में योगदान देता है। ”

आशिका सिंह

कास्टहाउस



बालको में उल्लास के साथ मनाया गया जन्माष्टमी का उत्सव

बालको टाउनशिप में जन्माष्टमी का पर्व संगीत, नृत्य और सांस्कृतिक परंपराओं के साथ उत्साहपूर्वक मनाया गया। भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं और जीवन से जुड़े प्रसंगों ने उत्सव को विशेष रंग दिया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ कृष्ण-राधा रैप वॉक आकर्षण का केंद्र रहा, जिसमें कर्मचारियों और उनके परिवारों ने उत्साह से भाग लिया।

शाम आगे बढ़ी तो बहुप्रतीक्षित मटकी फोड़ प्रतियोगिता ने उत्सव में रोमांच और उमंग बढ़ा दी। प्रतिभागियों और दर्शकों ने इस दौरान उत्साह के साथ एक-दूसरे का हौसला बढ़ाया। विभिन्न खेलों और मनोरंजक गतिविधियों ने बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को उत्सव का हिस्सा बनने का अवसर दिया।

विशेष जलपान और आकर्षक पुरस्कारों के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। परंपरा और मनोरंजन के सुंदर मेल ने जन्माष्टमी के उल्लास, स्नेह और सामुदायिक जुड़ाव को जीवंत किया। पूरे आयोजन ने बालको परिवार को साथ आने, खुशियां साझा करने और इस पर्व को मिलकर मनाने का अवसर दिया।



बालकोनगर में मनाया गया ओणम

कर्मचारियों और उनके परिवार वालों ने ओणम का उत्सव मनाया गया। केरल के इस पारंपरिक फसल पर्व की खुशियां टाउनशिप में परंपराओं, स्वाद और आपसी जुड़ाव के साथ नजर आईं। आयोजन का मुख्य आकर्षण पारंपरिक ओणम सद्या रहा, सभी ने साथ बैठकर भोजन किया और पर्व की खुशियां साझा कीं।



आस्था और उत्साह के साथ मनाई गई गणेश चतुर्थी

भगवान गणेश के आगमन के साथ बालको टाउनशिप एक सप्ताह तक आस्था, संस्कृति और उत्सव के रंग में रंगी रही। कर्मचारियों और उनके परिवारों ने मिलकर गणेश प्रतिमा की स्थापना से लेकर सांस्कृतिक कार्यक्रमों तक विभिन्न गतिविधियों में उत्साह से भाग लिया। जीईटी हॉस्टल में आयोजित सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने उत्सव में खास रंग भरा और सभी उम्र के लोगों को साथ आने का अवसर दिया। उत्सव के दौरान ट्रेजर हंट, डंब शराइस और पानीपुरी खाने की प्रतियोगिता जैसी मनोरंजक गतिविधियों ने लोगों में उत्साह बढ़ाया। इन गतिविधियों ने रोजमर्रा की दिनचर्या से अलग लोगों को साथ समय बिताने और खुशियां साझा करने का अवसर दिया। गणेश

विसर्जन के साथ सप्ताहभर चले उत्सव का समापन हुआ। परंपरा, उमंग और आपसी जुड़ाव से भरे इस

आयोजन ने बालको टाउनशिप में एकता और सामुदायिक भावना को और मजबूत किया।



बालको परिवार में स्नेह और सम्मान के बंधन



बालको में रक्षाबंधन का पर्व अपनेपन, सम्मान और आपसी जुड़ाव के भाव के साथ मनाया गया। कार्यस्थल, अस्पताल और शॉपफ्लोर में आयोजित विभिन्न गतिविधियों ने बालको परिवार के उन रिश्तों को सामने रखा, जो सहयोग और विश्वास से मजबूत होते हैं। सुरक्षित और सहयोगी कार्यस्थल की संस्कृति को मजबूत करते हुए करीब 150 कर्मचारियों ने महिला, पुरुष, ट्रांसजेंडर सहकर्मियों और सुरक्षा कर्मियों को राखी बांधी। इस पहल के माध्यम से उनके योगदान और कार्यस्थल को सुरक्षित एवं

सहयोगी बनाने में उनकी भूमिका के प्रति सम्मान व्यक्त किया गया। बालको अस्पताल में उन्नति स्वास्थ्यकर्मियों को राखी बांधकर उनके प्रति आभार व्यक्त किया। यह अवसर देखभाल और विश्वास से बने रिश्ते को सम्मान देने का माध्यम बना। परियोजना से जुड़ी महिलाओं ने डॉक्टरों और रक्षाबंधन का उत्सव बालको के नंद घरों तक भी पहुंचा। बच्चों ने अपने हाथों से राखियां बनाईं और एक-दूसरे को राखी बांधकर दोस्ती, स्नेह और सहयोग का संदेश दिया।

वरदान: नई शुरुआत के लिए खुला एक नया दरवाजा



170 से अधिक युवा बालको कर्मचारियों के लिए यह सिर्फ घर की चाबी मिलने का अवसर नहीं था, बल्कि जीवन के एक नए अध्याय की शुरुआत थी। बालकोनगर में नवनिर्मित वरदान अपार्टमेंट्स का उद्घाटन वेदांता लिमिटेड के ग्रुप सीईओ एवं एजीक्यूटिव डायरेक्टर अरुण मिश्रा ने किया। इस अवसर पर वेदांता एल्युमिनियम मेटल लिमिटेड (वीएएमएल) के सीईओ राजेश कुमार, बालको के

सीईओ एवं पूर्णकालिक निदेशक राजेश सिंह और वरिष्ठ नेतृत्व उपस्थित रहे। बालको की बढ़ती कार्यबल की आवासीय जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विकसित यह नया आवासीय परिसर कर्मचारियों के बेहतर जीवन और टाउनशिप के विकास के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उद्घाटन अवसर पर आयोजित चाबी हस्तांतरण समारोह में कर्मचारियों को उनके नए घरों की चाबी सौंपी गई। चेहरे पर खुशी और आंखों में नई उम्मीद लिए कर्मचारियों के लिए यह पल लंबे समय तक याद रहने वाला बन गया। 'वरदान' का अर्थ है आशीर्वाद। इसी भाव को अपने नाम में समेटे यह परिसर आरामदायक और सामुदायिक जीवन का अनुभव प्रदान करता है। यहां पूरी तरह सुसज्जित स्टूडियो अपार्टमेंट्स के साथ हरित क्षेत्र, मनोरंजन की सुविधाएं और टिकाऊ बुनियादी ढांचा विकसित किया गया है। वरदान केवल नए घरों का परिसर नहीं, बल्कि कर्मचारियों के लिए अपनेपन, सुविधा और नई संभावनाओं से भरी नई शुरुआत है।

सम्मान दिवस पर कर्मचारियों की उपलब्धियों को सराहा गया



बालको ने सम्मान दिवस का आयोजन कर उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों और बिजनेस पार्टनर कार्यबल के सदस्यों को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया। कार्यक्रम में 140 से अधिक कर्मचारी और बिजनेस पार्टनर प्रतिनिधि शामिल हुए। पुरस्कार बिजनेस पार्टनर, वर्कमेन और एजीक्यूटिव श्रेणियों में प्रदान किए गए।

श्रद्धा और एकजुटता के साथ मनाया गया विश्वकर्मा जयंती का उत्सव

बालको में विश्वकर्मा जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। संयंत्र की विभिन्न इकाइयों और कार्यालयों में कर्मचारियों, ठेका कर्मियों और वरिष्ठ नेतृत्व ने भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना कर सुरक्षा, समृद्धि और निरंतर प्रगति की कामना की। शिल्प और इंजीनियरिंग के आराध्य भगवान विश्वकर्मा की विशेष रूप से सजाई गई प्रतिमाओं ने उत्सव को आकर्षक बनाया। यह आयोजन केवल धार्मिक परंपरा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि बालको के कामकाज से जुड़े टीमवर्क, नवाचार और कार्यस्थल सुरक्षा जैसे मूल्यों को भी दर्शाता है। बड़ी संख्या में कर्मचारियों की भागीदारी ने इस अवसर को और विशेष बनाया। विश्वकर्मा जयंती ने सभी को याद दिलाया कि संगठन की प्रगति के पीछे सामूहिक

प्रयास, जिम्मेदारी और उत्कृष्ट कार्य के प्रति

प्रतिबद्धता महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।



चौथे बीएमसी छत्तीसगढ़ कैंसर कॉन्क्लेव में जुटे देश-दुनिया के कैंसर विशेषज्ञ



बालको मेडिकल सेंटर (बीएमसी) ने रायपुर में चौथे बीएमसी छत्तीसगढ़ कैंसर कॉन्क्लेव का आयोजन किया। वेदांता मेडिकल रिसर्च फाउंडेशन की इकाई और मध्य भारत के प्रमुख कैंसर केंद्रों में से एक बीएमसी द्वारा आयोजित तीन दिवसीय कॉन्क्लेव में देश-दुनिया के कैंसर विशेषज्ञों, स्वास्थ्य क्षेत्र के पेशेवरों, शोधकर्ताओं और नीति-निर्माताओं ने हिस्सा लिया। यह आयोजन कैंसर की रोकथाम, समय पर पहचान और बेहतर उपचार के लिए ज्ञान और अनुभव साझा करने का महत्वपूर्ण मंच बना। कॉन्क्लेव के दौरान छत्तीसगढ़ के माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ सरकार के स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य राज्य में सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम और शुरुआती पहचान के प्रयासों को मजबूत करना तथा इन्हें समुदाय के स्तर तक पहुंचाना था। यह प्रयास भारत और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन के व्यापक लक्ष्य से भी जुड़ा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु

देव साय ने कहा कि सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम संभव है और छत्तीसगढ़ को सर्वाइकल कैंसर मुक्त बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयास आगे चलकर देश को भी इस लक्ष्य की ओर ले जाएंगे। उन्होंने बीएमसी के वार्षिक कॉन्क्लेव को क्षेत्र में कैंसर देखभाल के लिए महत्वपूर्ण मंच बताया। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने भी रायपुर में देश और दुनिया के प्रमुख कैंसर विशेषज्ञों के एक साथ आने को उत्साहजनक बताया। 'कैंसर उपचार में संतुलन की पुनर्स्थापना' थीम के तहत आयोजित कॉन्क्लेव में स्तन, स्त्री रोग संबंधी और जेनिटोरिनरी कैंसर पर विशेष चर्चा हुई। इसमें ब्रिटेन, अमेरिका, यूएई, नेपाल, श्रीलंका, इजराइल, बेल्जियम, कनाडा और स्विट्जरलैंड से 11 अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ शामिल हुए। इनके साथ 500 से अधिक राष्ट्रीय और क्षेत्रीय कैंसर विशेषज्ञों ने भी भाग लिया। कार्यक्रम में पहली बार आयोजित किए गए व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्रों के माध्यम से विशेषज्ञों को उपचार की आधुनिक तकनीकों और प्रक्रियाओं पर सीधे अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिला। बीएमसी की मेडिकल डायरेक्टर

डॉ. भावना सिरोही ने कहा कि कैंसर की रोकथाम बीमारी के बोझ को कम करने के सबसे प्रभावी तरीकों में से एक है और गुणवत्तापूर्ण कैंसर देखभाल तक पहुंच किसी व्यक्ति की भौगोलिक स्थिति पर निर्भर नहीं होनी चाहिए। बीएमसी का उद्देश्य मध्य भारत में ऐसा व्यापक कैंसर तंत्र विकसित करना है, जहां लोगों को रोकथाम, स्क्रीनिंग, जांच, उपचार, पुनर्वास और सहायक देखभाल की सुविधाएं अपने घर के करीब मिल सकें। कॉन्क्लेव के साथ 'कैनवास फॉर 'ए' लाईफ' नाम से कला और विरासत प्रदर्शनी भी आयोजित की गई। यह पहल बीएमसी चैरिटेबल फंड के लिए सहयोग जुटाने के उद्देश्य से की गई, जिससे जरूरतमंद मरीजों को उपचार, जांच और पोषण के लिए आर्थिक सहायता के साथ उपचार के दौरान रहने और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं में भी मदद मिल सके। तीन दिवसीय आयोजन का समापन इस संकल्प के साथ हुआ कि कैंसर की रोकथाम और शुरुआती पहचान को क्षेत्र में जनस्वास्थ्य की प्राथमिकता बनाने के लिए सामूहिक प्रयासों को आगे बढ़ाया जाएगा।

बेलगरी बस्ती में आकर ले रहा नया सामुदायिक भवन



बालको ने बेलगरी बस्ती में सामुदायिक भवन के निर्माण की आधारशिला रखी। यह भवन स्थानीय लोगों के लिए सामाजिक, सांस्कृतिक और सामुदायिक गतिविधियों के आयोजन तथा आपसी मेलजोल का नया स्थान बनेगा। यहां परिवार और स्थानीय समूह विभिन्न कार्यक्रमों के लिए एक साथ आ सकेंगे।

2,500 वर्गफुट क्षेत्र में बनने वाले इस भवन में अलग-अलग शौचालय, रसोई, स्टोर रूम और ओपन जिम जैसी आधुनिक सुविधाएं होंगी। इससे क्षेत्र के 3,000 से अधिक लोगों को सुविधा मिलने की उम्मीद है। यह परियोजना स्थानीय बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने और समुदाय के लिए बेहतर सार्वजनिक स्थान तैयार करने की दिशा में बालको के निरंतर प्रयासों को दर्शाती है। नया सामुदायिक भवन लोगों को साथ आने, सामाजिक जुड़ाव बढ़ाने और मिलकर गतिविधियां आयोजित करने के लिए एक सुविधाजनक मंच प्रदान करेगा।

'लेट्स डू रोपाई' के जरिए खेतों से जुड़ाव, किसानों के साथ अपनापन



सतत कृषि और समुदाय के साथ जुड़ाव को मजबूत करते हुए बालको ने 'लेट्स डू रोपाई' कार्यक्रम के तहत स्थानीय किसानों के साथ धान की रोपाई में भाग लिया। इस पहल के माध्यम से कर्मचारियों और समुदाय के सदस्यों को खेतों में जाकर खेती की प्रक्रिया को करीब से समझने और किसानों की मेहनत को अनुभव करने का अवसर मिला। कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने किसानों के साथ मिलकर धान की रोपाई की और खेती से जुड़ी चुनौतियों तथा मेहनत को समझा। यह अनुभव कृषि से जुड़े जीवन और हमारी रोजमर्रा की जरूरतों के बीच के संबंध को करीब से महसूस करने का अवसर बना।

इस अनुभव को साझा करते हुए कैप्टन दीपक महाराणा ने कहा, "हममें से कई लोगों ने खेती की कहानियां सुनी हैं, लेकिन खुद खेत में काम करने का अवसर बहुत कम मिला है। 'लेट्स डू रोपाई' ने मुझे यह अनुभव दिया। किसानों के साथ खेत में समय बिताकर मैं अपनी जड़ों के और करीब आया और समझ पाया कि हमारी हर थाली तक भोजन पहुंचाने के पीछे कितनी मेहनत होती है। इस अनुभव ने मुझे यह भी याद दिलाया कि हमें जमीन से जुड़े रहना चाहिए और रोजमर्रा की जिंदगी में अक्सर अनदेखी रह जाने वाली छोटी-छोटी चीजों की भी कद्र करनी चाहिए। किसानों का दिल से आभार और इस अनुभव को संभव बनाने वाली पूरी टीम का धन्यवाद।"

कंपनी ने बेहतर पोषण के लिए समुदाय में चलाया जागरूकता अभियान

कोरबा के विभिन्न समुदाय में बालको ने पोषण माह के दौरान बच्चों के स्वस्थ विकास की एक महत्वपूर्ण जरूरत, 'पोषण' पर विशेष ध्यान दिया। प्रोजेक्ट आरोग्य और नंद घर के माध्यम से माताओं, देखभालकर्ताओं, बच्चों और समुदाय के सदस्यों को स्वस्थ खान-पान और बाल विकास के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। पोषण कार्यशालाओं, बच्चों की वृद्धि की निगरानी और स्थानीय सामग्री से पौष्टिक व्यंजन बनाने के प्रदर्शन के माध्यम से परिवारों को संतुलित आहार अपनाने के व्यावहारिक तरीके बताए गए। इन गतिविधियों ने केवल जागरूकता बढ़ाने के बजाय परिवारों को ऐसी जानकारी और सुझाव दिए, जिन्हें वे रोजमर्रा के जीवन में आसानी से अपना सकें।

अभियान में पोषण, स्वास्थ्य और बच्चों की सीखने की क्षमता के बीच संबंध पर भी जोर दिया गया। स्वयं सहायता समूहों और समुदाय के अन्य सदस्यों की भागीदारी ने बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य के प्रति सामूहिक

जिम्मेदारी को मजबूत किया। यह पहल इस सोच को सामने लाती है कि स्वस्थ बचपन केवल परिवार की नहीं, बल्कि पूरे समुदाय की साझा जिम्मेदारी है।



सतत आजीविका को बढ़ावा देने के लिए वाड़ी रोपण

बालको ने वाड़ी पौधरोपण पहल के माध्यम से टिकाऊ आजीविका के एक ऐसे मॉडल को आगे बढ़ाया, जिसमें फल उत्पादन के साथ सामुदायिक विकास को जोड़ा गया है। इसके तहत करीब 100 कलमी आम के पौधे लगाए गए, जिनमें दशहरी और लंगड़ा जैसी किस्में शामिल हैं। आने वाले वर्षों में यह पहल परिवारों की आय को मजबूत करने के साथ समुदाय में हरियाली बढ़ाने में भी योगदान देगी। इस अनुभव को साझा करते हुए श्रेया शेड्डी ने कहा, "किसान परिवार से आने के कारण मैं किसानों की चुनौतियों को करीब से समझती हूँ। इस अनुभव को खास बनाने वाली बात यह थी कि किसानों ने नए विचारों और व्यावहारिक जानकारी को अपनाने में रुचि दिखाई। यह जानकर मुझे गर्व हुआ कि इस कार्यक्रम से मिली सीख आगे भी उनके लिए उपयोगी हो सकती है और उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकती है।"

वाड़ी मॉडल खेती को केवल उत्पादन तक सीमित नहीं रखता, बल्कि किसानों को लंबे समय के लिए आय के अवसर तैयार करने में सहयोग देता है।





सुडोकू : सोचिए, और सुलझाइए!

			5		
					3
		1			
	8		6		5
3				9	
			7		2
6					
	7			1	
		5		3	

सुडोकू कैसे खेलें?

लक्ष्य पूरी ग्रिड को 1 से 9 तक की संख्याओं से भरें।

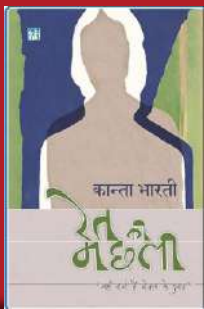
नियम

- हर पंक्ति में 1 से 9 तक की संख्याएँ केवल एक बार आएँ।
- हर कॉलम में 1 से 9 तक की संख्याएँ केवल एक बार आएँ।
- हर 3×3 बॉक्स में भी 1 से 9 तक की संख्याएँ केवल एक बार आएँ।
- दी गई संख्याएँ संकेत हैं, उन्हें बदलना नहीं है।
- हर संख्या पंक्ति, कॉलम और 3×3 बॉक्स में केवल एक बार ही आए।

उत्तर देखें

2	4	6	7	5	9	5	8	1
7	9	5	1	2	8	6	4	3
1	3	8	5	4	6	7	2	9
8	2	7	3	1	4	9	5	6
4	1	9	6	8	5	2	3	7
5	6	3	2	9	7	8	1	4
9	5	2	4	7	3	1	6	8
3	7	1	8	6	2	4	9	5
6	8	4	9	5	1	3	7	2

ज्ञान गंगा
इस माह की पुस्तक



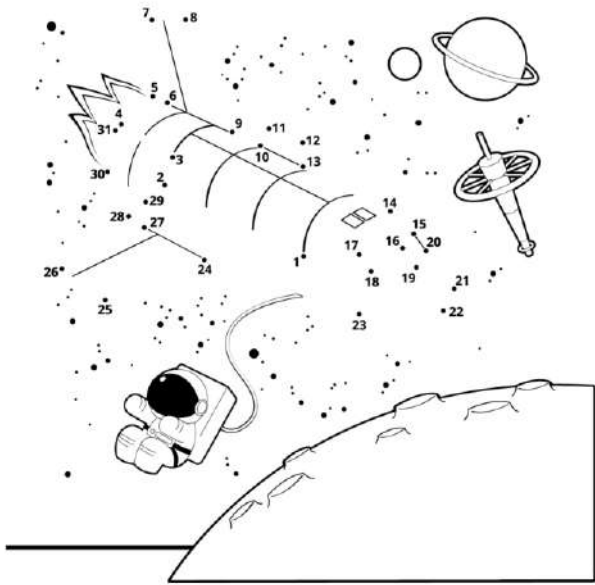
रेत की मछली
कांता भारती



यहाँ स्कैन करें
किताब खरीदने
के लिए।

सोचिए... एक मछली, जो पानी के बिना जी नहीं सकती, अगर रेत पर छोड़ दी जाए तो क्या होगा?
वह छटपटाएगी, रास्ता तलाशेगी और अपने अस्तित्व को बचाने की कोशिश करेगी।
'रेत की मछली' भी कुछ ऐसी ही बेचैनी और संघर्ष की कहानी है।
कांता भारती का यह उपन्यास एक स्त्री के जीवन के जरिए रिश्तों, परिवार, सामाजिक अपेक्षाओं और अपनी पहचान की तलाश को सामने लाता है।
कहानी में संघर्ष हमेशा दिखाई नहीं देता। कभी वह चुप्पी में है, कभी किसी रिश्ते की दूरी में और कभी उन इच्छाओं में, जिन्हें कह पाना आसान नहीं।
उपन्यास एक सवाल छोड़ जाता है, क्या रिश्तों को निभाने के लिए अपनी पहचान खो देना जरूरी है?
इसी सवाल के साथ 'रेत की मछली' केवल एक स्त्री की कहानी नहीं, बल्कि अपने अस्तित्व और अपनी राह तलाशने की कहानी बन जाती है।

सभी बिंदुओं को
जोड़कर चित्र पूरा करें।



इस क्यूआर कोड को स्कैन करें और अपनी प्रतिक्रिया, कहानी, कविता, लेख या कोई भी रचनात्मक रचना संपादकीय टीम के साथ साझा करें।



मिलिए, बालको के शुभंकर **गुबलू जी** से
एपिसोड 2 | गुबलू जी कहते हैं: 'त्योहारों की खुशियों के साथ सुरक्षा का भी रखें ध्यान!'

